Email : guj.abhgb@gmail website : https://hgbsgujarat.org

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

तंत्री एवं प्रधान संपादक
विजयकुमार छत्रपाल शर्मा (चोरीवाड-साबरकांठा)

वर्ष : 3 • अंक : 19
31 मार्च-2026, मंगलवार

सहतंत्री
• कमलेश शर्मा (पनवाडिया-थोलाईवाले), • रामअवतार एम.शर्मा (कुडाया), अहमदाबाद, • उमेश कुडाया (कठवाडा)

JS
Junior Scientist - IndEa

समाज की बेटी और जुनियर साइंटिस्ट धरा शर्मा पर हमें गर्व है

आपकी उपलब्धि पूरे समाज का मान बढ़ाने वाली है!

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात पत्रिका टीम

लालसोट के आशीष शर्मा को UPSC परीक्षा में 722वीं रैंक मिली

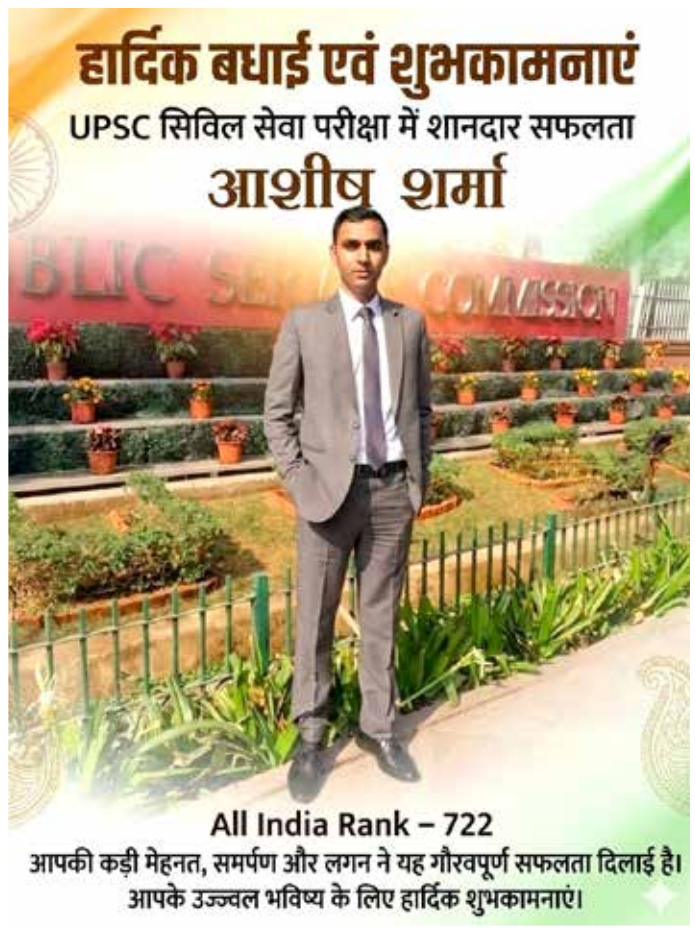

पंकज शर्मा, सदस्य, गुजरात पत्रिका टीम : दौसा जिले के लालसोट के अरनिया गांव निवासी आशीष शर्मा पुत्र मुरारी लाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) परीक्षा पास की है। आशीष शर्मा ने 722वीं रैंक हासिल की है। आशीष के चयन पर उनके परिजनों, ग्रामीणों और समाज के लोगों ने बधाई दी है। आशीष शर्मा ने बताया कि उन्होंने चौथे प्रयास में सेल्फ स्टडी कर ये परीक्षा पास की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, दोस्तों और अन्य परिजनों को दिया। आशीष वर्ष 2023 में शिक्षक बने थे। वर्तमान में वे सवाई माधोपुर जिले के बोलीं स्थित एक स्कूल में कार्यरत हैं।

आशीष शर्मा किसान परिवार से आते हैं और वर्तमान में सेकंड ग्रेड अध्यापक के रूप में महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, कोड़याई (तहसील बोली) में कार्यरत हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया। यह सफलता उन्हें चौथे प्रयास में मिली है। गत वर्ष उन्होंने यूपीएससी की प्रीलिम्स और मुख्य परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन इंटरव्यू में चयन से चूक गए थे। इसके बाद उन्होंने और अधिक लगन से तैयारी जारी रखी और इस बार अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया।

बताया जाता है कि आशीष बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने कक्षा 10वीं की परीक्षा मेरिट के साथ उत्तीर्ण की थी और तभी से आईएएस बनने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। आशीष ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता मुरारीलाल शर्मा और चाचा बृजमोहन शर्मा (अरनिया) को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से वे लगातार आगे बढ़ते रहे। आशीष ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में रहते हुए वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन, विशेषकर पीड़ित और जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के लिए प्रयास करेंगे।

आशीष के चयन की खबर मिलते ही अरनिया गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी जाहिर की और आशीष को बधाई दी। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया।

कनाडा में जीत शर्मा का अपने करियर का श्रेष्ठ प्रदर्शन

जीत योगेशजी शर्मा ने अपने करियर में एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। Rogers के लिए OSL के साथ काम करते हुए, उन्हें '2025 President's Club Winner' चुना गया है—और सबसे ज़्यादा पोस्टपेड बिक्री के लिए उन्हें Central Canada में 'Top Wireless Sales Associate' का दर्जा मिला है! उनकी कड़ी मेहनत के इनाम के तौर पर, कंपनी उन्हें मई-2026 में एक आधिकारिक पुरस्कार और सम्मान समारोह के लिए Mexico भेज रही है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम उनकी लगातार सफलता की कामना करती है!

गुजरात के सबसे युवा साइबर सिक्योरिटी एंटरप्रेन्योर ध्रुव पंडित ने

दावोस(स्विट्जरलैंड) में WEF 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया

पंकज शर्मा,सहयोगी, पत्रिका टीम : ध्रुव पंडित, जो द्रोणा साइबर सॉल्यूशंस के फाउंडर और CEO हैं और KCCI के साइबर सिक्योरिटी गुजरात चैप्टर के चेयरमैन हैं, गुजरात के सबसे कम उम्र के साइबर सिक्योरिटी एंटरप्रेन्योर हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की सालाना मीटिंग 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर उनकी भागीदारी ने साइबर सुरक्षा और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया। इसने डिजिटल सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक-आधारित आर्थिक विकास के बारे में वैश्विक चर्चाओं को आकार देने में भारतीय इनोवेटर्स की बढ़ती भूमिका को दिखाया।

World Economic Forum सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग के लिए एक अग्रणी मंच है। यह जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार, व्यापार, नागरिक समाज और शिक्षा जगत के नेताओं को एक साथ लाता है। यह भू-राजनीति, तकनीक और आर्थिक नीति के मेल पर उच्च-स्तरीय बातचीत को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। यह प्रभावशाली रिपोर्टें भी तैयार करता है जो दुनिया को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहरी जानकारी प्रदान करती हैं। WEF 2026 के दौरान, ध्रुव पंडित ने दुनिया भर के आर्थिक, राजनीतिक और उद्योग जगत के नेताओं से संपर्क साधा। उन्होंने साइबर सुरक्षा की मज़बूती, AI गवर्नेंस और आज की ज़्यादा से ज़्यादा जुड़ी हुई दुनिया में भरोसेमंद डिजिटल फ्रेमवर्क की ज़रूरत पर चर्चा की। उन्होंने भारत की उन ताकतों पर ज़ोर दिया जो बड़े पैमाने पर, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार साइबर सुरक्षा समाधान दे सकती हैं।

ध्रुव पंडित एक फोरम में थे। वे CrowdStrike, Palantir Technologies और Cisco जैसी बड़ी कंपनियों के लोगों से मिले। ये कंपनियाँ दुनिया भर में बहुत बड़ी हैं। उन्होंने UK हाई कमीशन और Israel हाई कमीशन के लोगों से भी बात की। श्री पंडित आर्थिक नेताओं से भी मिले। ये वे लोग हैं जो पैसे और कारोबार के बारे में बड़े फैसले लेते हैं। श्री पंडित ने CrowdStrike, Palantir Technologies और Cisco के साथ अलग-अलग मामलों पर चर्चा करने के लिए बैठकें कीं। श्री पंडित ने Poland-India Chamber of Cooperation के वाइस प्रेसिडेंट श्री विंसेंट पीटर को, दूसरे खास मेहमानों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ, Drona Cyber Solutions आने का न्योता भी दिया। इन मुलाकातों के दौरान, मिलकर साइबर सुरक्षा की पहल को मज़बूत बनाने पर चर्चा हुई। ध्रुव पंडित की इन मुलाकातों ने साइबर सुरक्षा, टेक्नोलॉजी में सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में भारत की वैश्विक भागीदारी को और मज़बूत किया।

फोरम के दौरान, ध्रुव पंडित ने गुजरात के उपमुख्यमंत्री, श्री हर्ष संघवी से मुलाकात की। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री, डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा से भी बात की। बाद में, असम की अपनी यात्रा के दौरान, श्री पंडित ने राज्य के लिए एक इंटीग्रेटेड साइबर सिक्योरिटी कमांड सेंटर स्थापित करने की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री किंजरापु राम मोहन नायडू से भी मुलाकात की। उन्होंने विमानन सुरक्षा और साइबर सुरक्षा ग्राहकों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को सहायता देने के लिए एक बेहतर प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम कैसे बनाया जाए, इस पर चर्चा की। फोरम में बोलते हुए, श्री पंडित ने कहा, "वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। जैसे-जैसे दुनिया अधिक डिजिटल होती जा रही है, साइबर सुरक्षा आर्थिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक विश्वास का आधार बन गई है। भारत के पास इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए प्रतिभा, नवाचार और दूरदृष्टि है, और मुझे खुशी है कि मैंने दावोस में हुई वैश्विक चर्चा में अपना योगदान दिया।"

बृज शर्मा को कंपनी से अवॉर्ड मिला

अहमदाबाद के इसनपुर के रहने वाले बृज कमलेशभाई शर्मा (पनवाडिया) को अपने फील्ड में शानदार परफॉर्मेंस के लिए कंपनी से अवॉर्ड मिला है। बृज शर्मा ने डिजिटल लॉक की सबसे ज़्यादा बिक्री के लिए पूरे इंडिया में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह अवॉर्ड एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर-साउथ ईस्ट एशिया, बिजनेस हेड-इंडिया और रीजनल मैनेजर वेस्ट ने लिया। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम बृज शर्मा की लगातार तरक्की की कामना करती है।

सिद्धपुर की भारती शर्मा ने खाटूश्याम बाबा के मुखारविंद को बहुत ही शानदार तरीके से सजाया

पाटण जिले के सिद्धपुर की रहने वाली भारतीबेन भरतकुमार शर्मा और भारतीबेन सुमितकुमार शर्मा ने मिलकर श्री खाटू श्याम बाबा का मुखारविंद और बाबा का घोड़ा बहुत ही शानदार तरीके से तैयार किया है। उन्होंने इसे सजाने के लिए छोटे कांच के पत्थरों, मोतियों और रूबी का इस्तेमाल करके बहुत खूबसूरती से तैयार किया है। यह मुखारविंद तैयार करके श्री खाटू श्याम मित्र मंडल सिद्धपुर को दिया गया है।जो अब से लगातार भजन कीर्तन प्रोग्राम में काम आएगा।

गर्ल्स क्रिकेट टुर्नामेन्ट : नंदिनी शर्मा बनी मेन ऑफ ध मैच

चंद्रेशभाई शर्मा, सहयोगी, पत्रिका टीम : पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ में भी दिलचस्पी दिखानी चाहिए ताकि ऑल-राउंड डेवलपमेंट हो। यह जानकर खुशी हुई कि हमारे समाज में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स ने स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी दिखाई है। जेजी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद द्वारा आयोजित गर्ल्स क्रिकेट टुर्नामेन्ट में नंदिनी चंद्रेशभाई शर्मा(चोरीवाड-साबरकांठा) को मेन ऑफ ध मैच घोषित किया गया। और 10 हजार रुपिया नकद प्राईज प्राप्त करने पर गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन। स्थानीय स्तर पर आयोजित गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस रोमांचक

मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग का प्रदर्शन किया। पूरे मैच में उत्साह और जोश का माहौल बना रहा। इस मुकाबले में नंदिनी शर्मा ने अपने उत्कृष्ट खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें "मैन ऑफ द मैच" (प्लेयर ऑफ द मैच) के खिताब से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों के खेल भावना और प्रतिभा की सराहना की तथा कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवतियों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। अंत में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

अध्यापक के तौर पर 100वां पुस्तक प्रकाशित
शिक्षा जगत में गौरव का क्षण

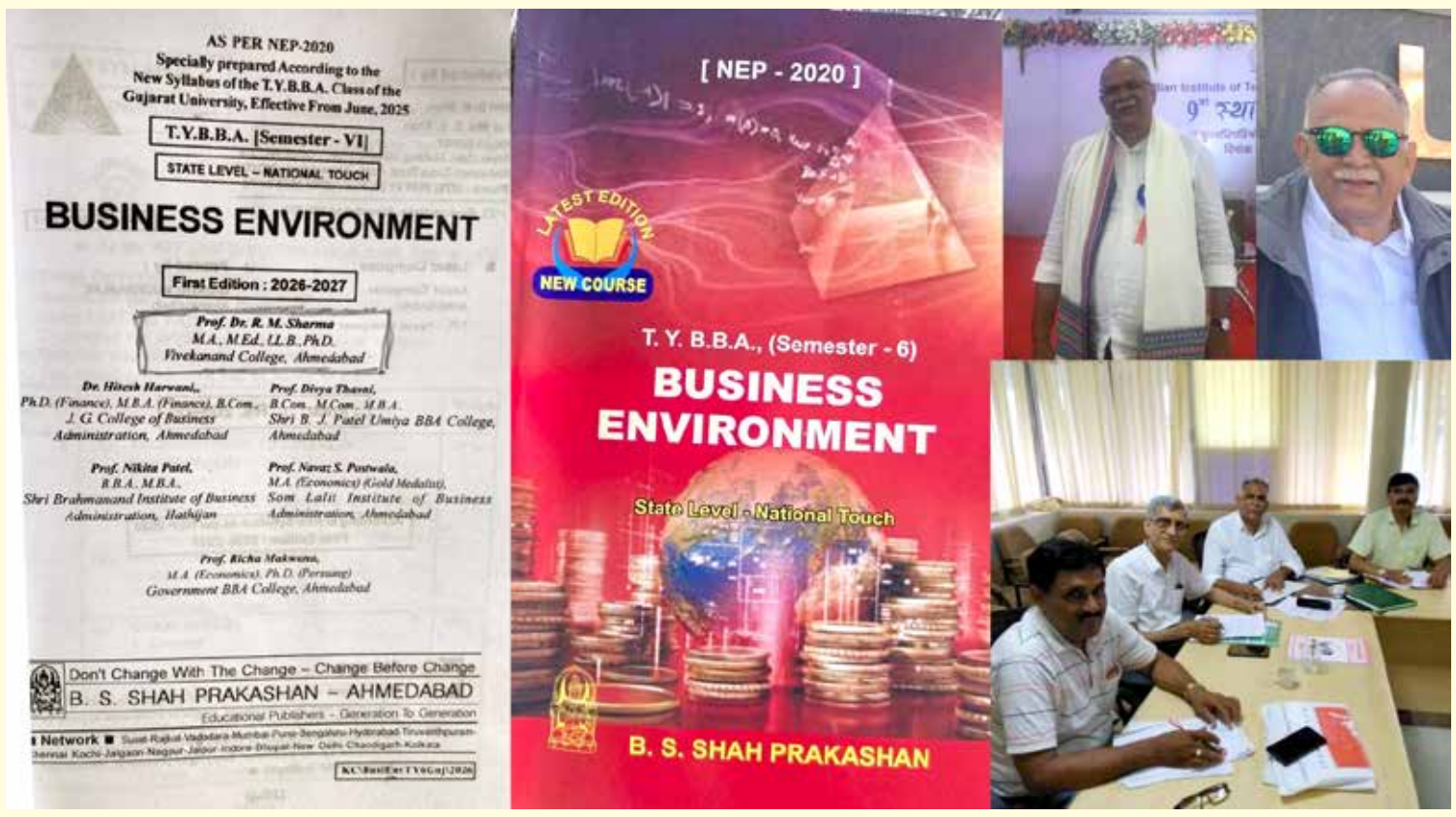

शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उपलब्धि सामने आई है। हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज में अहमदाबाद के मणिनगर निवासी प्रतिष्ठित अध्यापक प्रो.डॉ.राजकुमार शर्मा ने अपनी 100वीं पुस्तक प्रकाशित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कॉलेज की पढ़ाई के लिए उनके द्वारा तैयार की गई पुस्तकें बी.एस. शाह प्रकाशन, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित की गई हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम और समर्पण का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज और शिक्षा जगत के लिए गर्व का विषय भी है। पिछले कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के साथ-साथ लेखन कार्य में भी निरंतर योगदान दे रहे हैं। उनकी पुस्तकों में शिक्षा, संस्कार, समाज जागरूकता और प्रेरणादायक विषयों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। उनकी 100वीं पुस्तक का प्रकाशन इस बात का प्रमाण है कि एक शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अपने विचारों और लेखन के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य भी करता है। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी कि यदि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर परिश्रम हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम एवं समस्त गुजरात प्रदेश समाजबंधुओ की तरफ से प्रोफेसर साहब को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। आशा है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार ज्ञान और साहित्य के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करते रहेंगे और युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।

डॉ.जितेश शर्माने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी मेडिकल कोलेज से MBBS की डीग्री हासिल की उसके बाद दिल्ली में सर गंगाराम अस्पताल से सुपरस्पेशालिस्ट DrNB Cardiothoracic Surgery में अभ्यासरत है। आपकी इस शानदार सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!
सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

वर्ष 2025 में डॉ.नंदिनी शर्मा ने चीन की Hainan University से MBBS की डीग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।
सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

श्री हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज दिल्ली- एन सी आर की महत्वपूर्ण बैठक

गयाप्रसाद बलेसरा, दिल्ली गुजरात पत्रिका टीम सदस्य : दिनांक 18.01.2026 को दिल्ली समाज की क्षेत्रीय बैठक दीप प्रज्वलन तथा मंत्रोचारण के मध्य गाजियाबाद में सम्माननीय श्री कृष्ण शर्मा जी के निवास- VVIP NEST ,राजनगर विस्तार में सोसाइटी के क्लब हाउस में संपन्न हुई। इस बैठक में श्री राजेश कुमार शर्मा जगतपुरी ,श्री शिव कुमार जी गाजियाबाद , श्री राजेंद्र जी सराय रोहिल्ला, श्री जय प्रकाश जी ढका,श्री गया प्रसाद जी करावल नगर श्री ललित जी हिरनकी ,श्री प्रभु लाल जी नाथूपुरा ,श्री सी पी शर्मा जी मयूरविहार, श्री शशिकांत जी मौजपुर ,श्री हरीश चन्द जी खोड़ा ,श्री रामगोपाल जी ब्रह्मपुरी , श्री पंकज जी बल्लभगढ़,श्री सोहन लाल जी नोएडा श्री अनिल जी नोएडा श्री गिर्राज जी, श्री राकेश जी ,ओम प्रकाश खानपुर सहित लगभग 35- 40 गणमान्य समाज बंधु/बहने उपस्थित रहे।

वर्ष 2025 में डॉ.साहिल शर्माने दिल्ली के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज से MBBS की डीग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।
सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

अहमदाबाद-गांधीनगर-दहेगाम युवा संगठन ने

धूमधाम से होली मनाई

पंकज शर्मा, सदस्य , पत्रिका टीम : होली का उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और इस दिन रंगों की धूम भारत ही नहीं, विदेशों में भी देखने को मिलती है। पूरे देश में होली का त्यौहार बहुत जोश और खुशी के साथ मनाया जाता है, लेकिन म्यूजिक के बिना इस दिन को मनाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती, क्योंकि म्यूजिक एक यूनिवर्सल भाषा है जो लोगों को एक साथ लाती है और खुशियां फैलाती है। अहमदाबाद में वस्त्राल पार्टी प्लोट में हरियाणा गौड ब्राह्मण अहमदाबाद-गांधीनगर-दहेगाम युवा संगठन द्वारा होली संमेलन 2026 पर्व धामधूम से मनाया गया। उपस्थित युवाओ एवं समाजबंधुओने गुलाल लगाकर और उड़ाकर होली का पर्व सादगी और सौहार्द के साथ पर्व मनाया। लोगों ने गुलाल और चंदन लगाकर उल्लास से पर्व मनाया। इसके साथ ही लोगों से

आपसी भाईचारा और सदभाव बनाने की अपील की भी की गई। डीजे और ढोल-नगाड़े पर घंटों तक लोग थिरकते रहे। हर तरफ होली की धूम थी। बच्चे,बूढे, जवान सभी होली की मस्ती में चूर रहे। बच्चों की मस्ती तो शाम से ही दिखने लगी थी। होली है होली है की गूंज हर गली, हर मोहल्ले में गूंजने लगी। होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे की धुन पर लोगों का जो थिरकना शुरू हुआ। वह देर शाम तक जारी रहा।

इन सहयोगीओने दिया होली पर्व में आर्थिक सहयोग

1.कमलेशभाई बी.पुरोहित(मणिनगर) - 5100
2.रवि राधेश्याम शर्मा(बापुनगर) - 5100
3.हिरालाल शर्मा - 2500
4.रामधार शर्मा (वस्त्राल) - 2100
5.मनोज रामप्रसाद शर्मा - 2100
6.शिवम रामनारायण शर्मा - 2100
7.उमेशजी रामेश्वर कुडाया (बापुनगर) - 2100
8.विशाल शर्मा(गोता) - 1500
9.रमणलाल शर्मा (दहेगाम) - 1500
10.लक्ष्मीकांत पंडित (रखियाल) - 1111
11.ललित शर्मा (रखियाल) - 1100
12.राजेन्द्र शर्मा (बोपल) - 1100
13.मिलाप शर्मा(मणिनगर) - 1100
14.अरविंद छोटेलाल शर्मा(नागरवेल) - 1100
15.मनोज शर्मा (हाथीजण) - 1100
16.अशोक छोटेलाल शर्मा (वस्त्राल) - 1100
17.विष्णुजी शर्मा (गांधीनगर) - 1100
18.जीतप्रकाश शर्मा (घाटलोडिया) - 1100
19.भगवानदास छोटेलाल शर्मा (नागरवेल) - 1100
20.बालाशंकर शर्मा (सरसपुर) - 1100
21.शैलेष शर्मा(बापुनगर) - 1000
22.सुशील पुरोहित (पालडी) - 1000
23.पंकजकुमार गोपालभाई शर्मा (पत्रकार-बोपल) - 1000
24.महेश शर्मा (सिंगरवा) - 500
25.चंद्रकांतजी शर्मा (सिंगरवा) - 500
26. मनोज शर्मा (आनंदनगर) - 500
27. राजभोग आईस्क्रीम काउन्टर सेवा - एस.एस.परिवार की तरफ से

श्रीमती कुसुम जी शर्मा को विश्व ब्राह्मण समाज संघ, जिला इंदौर (म.प्र.) में संगठन मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया।

रंग, उमंग और सौहार्द के साथ अहमदाबाद

महिला समिति ने मनाई होली

नैना शर्मा, सदस्य, पत्रिका टीम : हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज अहमदाबाद महिला समिति द्वारा बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समिति की सभी महिलाओं ने एकत्र होकर पारंपरिक तरीके से होली उत्सव का आनंद लिया। अहमदाबाद महिला समिति लगातार तीन वर्षों से 'फाग उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। वर्ष 2026 के होली पर्व के अवसर पर, 14 फरवरी 2026 रविवार के दिन मणिनगर में एक भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान के पूजन और मंगलाचरण से हुई। इसके बाद महिलाओं ने फाग गीत, भजन और होली के पारंपरिक गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय और आनंदमय बना दिया। रंग-गुलाल के साथ सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और प्रेम, सौहार्द तथा एकता का संदेश दिया। यह कार्यक्रम सभी के प्रेम, विश्वास और सहयोग से अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। चाय और नाश्ते का इंतज़ाम महिला समिति ने किया था। अहमदाबाद महिला समिति ने कार्यक्रम में पधारीं सभी महिलाओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। कुछ कारणोंवश कई महिलाएं इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, और उन्होंने भी इस कार्यक्रम को बहुत याद किया। समिति ने सभी को यह आश्वासन दिया कि आने वाले समय में उन्हें एक बार फिर साथ मिलकर इस प्रकार के उत्सव का आनंद उठाने का अवसर अवश्य प्राप्त होगा। महिला समिति के इस सुंदर आयोजन ने समाज में एकता और खुशियों का संदेश दिया तथा सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि ऐसे सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। अंत में सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई और कार्यक्रम का समापन प्रेम और भाईचारे के साथ हुआ।

मणिनगर के पंकज पुरोहित को अभिनंदन

अहमदाबाद के पंकज कमलेशजी पुरोहित(मणिनगर) को IIM विशाखापट्टनम से "इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और कैपिटल मार्केट्स में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स" सफलतापूर्वक पास करने पर हार्दिक बधाई। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और कैपिटल मार्केट्स में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम एक वर्षीय कोर्स होता है, जहाँ स्टूडेंट्स को इकोनॉमिक्स, फाइनेंशियल स्टेटमेंट एनालिसिस, कॉर्पोरेट फाइनेंस, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी वैल्यूएशन, फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज और डेरिवेटिव्स और रिस्क मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, म्यूचुअल फंड्स, और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे इन्वेस्टमेंट और सिक्योरिटीज मार्केट के अलग-अलग सब्जेक्ट्स और वर्टिकल्स का अनुभव मिलता है, जो बेस्ट और मॉडर्न टेक्स्ट के साथ बेंचमार्क किए गए हैं। ध्यान से बनाया गया करिकुलम, एप्लीकेशन-बेस्ड टीचिंग मेथड्स और इंडस्ट्री इंटर्नशिप के साथ, कॉर्पोरेट/फाइनेंशियल/सिक्योरिटीज मार्केट में अलग-अलग करियर पाथ में आगे की ट्रेनिंग और ग्रोथ के लिए एक मजबूत नींव का काम करता है। गौरतलब है कि पंकज पुरोहित ने अपनी पढ़ाई में MBA किया है। और इन्वेस्टमेंट, बैंकिंग और कैपिटल मार्केट में आगे की पढ़ाई के लिए, उन्होंने IIM-विशाखापत्तनम से यह कोर्स करने का फैसला किया था। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम पंकज पुरोहित को बधाई देती है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

दिल्ली-NCR समाज में बडे धामधूम से मनाया गया रंगो का पर्व होली

ओमप्रकाशजी शर्मा एवं गयाप्रसाद बलेसरा, सहयोगी, पत्रिका टीम : दिल्ली-NCR में रहने वाले हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समुदाय ने एक साथ होली मनाने का फैसला किया था। जिसके अनुसार 8 मार्च 2026, रविवार के दिन दिल्ली समाज द्वारा होली मंगल मिलन समारोह श्री राजेश जी जगतपुरी वालो की अध्यक्षता तथा श्री ओम प्रकाश शर्मा दूत के मंच संचालन में आयोजित किया गया। इस आयोजन का स्थान दिल्ली के केंद्र में शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के पास सराय रोहिल्ला स्थित एक वातानुकूलित भवन में किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग हर क्षेत्र से यानि गाजियाबाद, गुरुग्राम ,सोहना , बल्लभगढ़,नोएडा के साथ दिल्ली के सुदूर क्षेत्र में रहने वाले समाज बंधु भी सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में हमारे वरिष्ठ समाजसेवी से लेकर बच्चे और बड़ी संख्या में महिला शक्ति ने शामिल होकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

कार्यक्रम में आयोजन समिति द्वारा पटका पहना कर तथा चंदन लगाकर स्वागत किया गया उसके बाद सभी को आदर भाव से जलपान कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ समाजबंधुओं द्वारा द्वीप प्रज्वलन करने के बाद इस्कॉन टीम द्वारा संगीतमय महामंत्र जाप से वातावरण सकारात्मक बना दिया। तदोपरांत दिल्ली समाज व संगठन की अब तक की यात्रा के बारे में संक्षेप में परिचय दिया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सभी का परिवार सहित परिचय कराया गया। इसी दौरान मंच से सभी ने भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में सहयोग देने के वादे के साथ साथ इस आयोजन को सराहा।

आयोजन समिति के सदस्यों में श्री राजेंद्र जी,श्री गया प्रसाद जी, श्री ललित जी श्री प्रभु लाल जी,श्री हरीश जी खोड़ा का अध्यक्ष श्री राजेश जी जगतपुरी द्वारा माला पहना कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश जी व कोविड के समय समाज सेवा में अग्रणी रहे श्री सी एल शर्मा जी, श्री शशिकांत जी ओर सुभाष जी बंटी श्री नवीन जी को महासचिव श्री शिव कुमार जी ,सचिव श्री शंभू जी द्वारा माला पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन संगीत नृत्य फूलों की होली और स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ।

इसे सफल बनाने लिए पिछले कई दिनों से तैयारी और चर्चा की गई। आशानुरूप आयोजन भव्य और व्यवस्थित रहा। यहां लगभग 180 से 200 समाजप्रेमियों का आना हुआ जो कि दिल्ली में अभी तक हुए आयोजनों में सबसे ज्यादा संख्या रही। संगठन की ओर से आयोजन समिति व आर्थिक सहयोगी व कार्यक्रम में सकारात्मक रूप से मनोबल बढ़ाने वाले व उपस्थित समाज बंधुओं का धन्यवाद दिया गया।

जुनियर सायन्टिस्ट धरा शर्मा से खास बातचीत

जीवन में छोटी खुशियों का महत्व

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर बड़ी उपलब्धियों और बड़े सपनों के पीछे भागते-भागते उन छोटी-छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो हमारे जीवन को वास्तव में सुंदर बनाती हैं। सच तो यह है कि जीवन की सच्ची मिठास इन्हीं छोटे पलों में छिपी होती है।

सुबह पक्षियों की चहचहाहट, पेड़ों की हरियाली, खिले हुए फूलों की खुशबू, बारिश की हल्की फुहार, या आकाश में उड़ते बादल — ये सब प्रकृति के ऐसे उपहार हैं जो बिना किसी कीमत के हमें सुकून देते हैं। जब हम कुछ पल रुककर इनका आनंद लेते हैं, तो मन स्वतः शांत और प्रसन्न हो जाता है। पशु-पक्षियों की सरलता और निस्वार्थ भाव भी हमें सिखाता है कि खुशी दिखावे में नहीं, बल्कि सरलता में है।

परिवार भी छोटी खुशियों का सबसे बड़ा स्रोत है। माता-पिता का स्नेह, दादा-दादी की कहानियाँ, उनके अनुभवों की सीख, और दोस्तों के साथ बिताए हँसी-मज़ाक के पल — ये यादें जीवनभर साथ रहती हैं। दादा-दादी के साथ बैठकर पुरानी परंपराओं और संस्कारों की बातें सुनना केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव भी बढ़ाता है। मित्रों के साथ साझा की गई छोटी सफलताएँ और साधारण मुलाकातें भी मन को अपार खुशी देती हैं।

भारतीय व्यक्तित्वों ने भी छोटी खुशियों और सादगीपूर्ण जीवन का महत्व बताया है। लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन इसका प्रेरणादायक उदाहरण है। वे अत्यंत सरल स्वभाव के थे और देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी सादगी को अपनाए रखा। उनका प्रसिद्ध नारा "जय जवान, जय किसान" केवल शब्द नहीं था, बल्कि देश के प्रति समर्पण और संतोषपूर्ण जीवन का संदेश था। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, ईमानदारी और सादगी को नहीं छोड़ा। उनका जीवन हमें सिखाता है कि महानता बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि चरित्र, कर्तव्यनिष्ठा और छोटे-छोटे सत्कर्मों में बसती है।

आज के डिजिटल युग में हम मोबाइल और सोशल मीडिया में इतने व्यस्त हो गए हैं कि आसपास की छोटी खुशियों को देख ही नहीं पाते। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय अपने परिवार, प्रकृति और स्वयं के साथ बिताएँ, तो जीवन अधिक संतुलित और आनंदमय बन सकता है।

इसके साथ यदि मैं अपने जीवन की एक विशेष यात्रा का उल्लेख करूँ, तो मुझे महसूस होता है कि छोटी खुशियाँ ही बड़े सपनों की नींव बनती हैं। कौन बनेगा करोड़पति के मंच तक पहुँचना मेरे लिए एक बड़ा अवसर था, लेकिन उस पूरी यात्रा की असली सुंदरता उन छोटे-छोटे पलों में थी — परिवार की शुभकामनाएँ, मित्रों का उत्साह, माता-पिता की आँखों में गर्व की चमक, और हर प्रश्न का उत्तर देते समय मन में उठती उम्मीद। दादा-दादी के आशीर्वाद और प्रकृति की शांत ऊर्जा ने मुझे आत्मविश्वास दिया। उस अनुभव ने सिखाया कि सफलता केवल अंतिम परिणाम में नहीं, बल्कि हर छोटे प्रयास, हर मुस्कान और हर सीख में छिपी होती है।

अंततः, छोटी खुशियाँ ही जीवन की असली पूँजी हैं। ये न केवल हमारे मन को सुकून देती हैं, बल्कि हमें कृतज्ञता और संतोष का भाव भी सिखाती हैं। जब हम छोटी-छोटी बातों में आनंद ढूँढना सीख लेते हैं, तब जीवन वास्तव में सुंदर और सार्थक बन जाता है।

• (लेखक : धरा शर्मा , जुनियर सायन्टिस्ट)

समाज में बढते कुँवारे लड़कों की संख्या बेहद चिंताजनक

नारी शक्ति

अनुजा शर्मा
डायरेक्टर, ग्लोबल्स एसएसवी - स्कूल, अहमदाबाद

अर्थिक स्थिरता की कमी-कई युवा करियर स्थापित करने और आर्थिक रूप से स्थिर होने तक शादी को टालते हैं। ऊँची अपेक्षाएँ-जीवन साथी चुनने में मानदंड बहुत ऊँचे हो गए हैं ,जिससे सही मिलान खोजना मुश्किल हो होता है। करियर पर ध्यान - पढ़ाई और करियर को शादी से ज़्यादा महत्त्व दिया जा रहा है। बदले हुए सामाजिक मानदंड - अब देर से शादी करना या अविवाहित रहने पर समाज की स्वीकृति बढ़ रही है।

भारत में शादी को अहम हिस्सा माना जाता है , आज के समय में युवाओं का विवाह से मोहभंग हो रहा है , bachelors, single hood जैसे शब्द trend बनते जा रहे हैं ,यंग जनरेशन को शादी अब बंधन लगने लगा है,सर्वे की मानें तो 33 प्रतिशत युवाओं को ऐसा लगता है की वो शादी के बंधन में बँधने के बाद लम्बे संबंध में बने रहने का दबाव महसूस करते हैं। दरअसल युवाओं को लगता है शादी सिर्फ़ संबंध को निभाने के नाम पर लड़का लड़की साथ रहते हैं।आज के दौर में लड़कियां इसलिए भी शादी नहीं करना चाहती हैं क्योंकि कुछ परिवार उनको शादी के बाद नौकरी छोड़ने को कहते हैं। और वो आजीवन अपने पैरों पर खड़ा रहना चाहती हैं। महिलाओं का कहना है कि वो शादी ना करने से और अकेले रहने में बहुत ख़ुश और सुखी महसूस करती हैं। वो अपनी ज़रूरतों और प्राथमिकताओं के साथ समझौता नहीं करना चाहतीं हैं। कुछ युवतियां तबतक शादी नहीं करना चाहती हैं जब तक उनको अच्छा जीवनसाथी नहीं मिल जाता है।

शादी ब्याह को चंगुल मानने लगी है युवा पीढ़ी की बड़ी आबादी

विवाह एक ख़ूबसूरत बंधन है जहाँ लड़का लड़की ही नहीं मिलते हैं बल्कि दो परिवार मिलते हैं , बेशक ये एक नैतिक परंपरा रही है लेकिन धीरे धीरे-धीरे नए दौर के बोझ तले दबतीं जा रही है। एक ऐसा नया दौर जहाँ शादी का बंधन किसी क़ैद जैसा जान पड़ने लगा है। एक ऐसा नया दौर जहाँ अपने ही हमसफ़र का कुछ कह मात्र देना सुई की तरह चुभने लगा है। एक कारण एकल परिवार है , ये परिवार अब चार लोगों में सिमट कर रह गए हैं,यही वजह है कि वह किसी के साथ सहज नहीं हो पाते हैं और युवा होते होते अकेले रहना और किसी के साथ मेल जोल न बना पाना उनकी आदत बन चुकी होती है। एक अन्य समस्या है कि आज कल के युवा शादी और बच्चों के चक्कर में पड़ना ही नहीं चाहते हैं।उन्हें शादी अब सात जन्मों की पवित्र बंधन नहीं उम्र क़ैद की सजा लगने लगी है।वर्तमान में जैसे जैसे लड़कियों की शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है वैसे वैसे वो शादी से दूर होती जा रही हैं। इस का एक मुख्य कारण है कि शादी के बाद लड़कियों का जीवन पूरी तरह से बदल जाता है। उनके पहनावे से लेकर उनके पसंद के खाने तक हर चीज़ में बदलाव आ जाता है। नौकरी को लेकर भी मतभेद होते हैं, ससुराल वाले चाहते हैं बहू नौकरी तो करे लेकिन घर भी बिलकुल वैसे सँभाले जैसे अन्य गृहणी सँभालती हैं। इन सब के बीच बहू यदि औसत वेतन में प्राइवेट कोई नौकरी कर रही है और ससुराल वाले आर्थिक रूप से पहले से ही समृद्ध हैं तो वह ये दबाव बनाने लगते हैं कि तुम्हें नौकरी करने की क्या ज़रूरत है , कमाने की क्या आवश्यकता है हमारे घर में किसी चीज़ की कोई कमी नहीं है, नौकरी छोड़ दो।

समाज मैं इस तरह की भावनाओं को बढ़ता देख कर ही शायद लड़कियों के मन में शादी को लेकर नकारात्मक भाव आ रहे हैं अब वे पढ़ लिख कर के अपने करियर पर फ़ोकस करने और अपनी शर्तों पर ज़िंदगी जीने पर यकीन रखती हैं। फिर एक सोच ये भी सामने आती है उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के बाद लड़कियां अपने योग्य लड़के की तलशा में रहती हैं जिससे की वो उनकी शिक्षा के महत्त्व को समझे और नोकरी ना करने के दबाव को ना बनाए फिर एक डर मन में ये रहता है कि ससुराल वाले इस बात को नहीं समझे तो ? यही वजह है की लड़कीया इस बात को लेकर असमंजस मे रहने लगी हैं। वहीं लड़कों की बात की जाए तो लड़कों की भी शादी ना करने की तादात ज़्यादा है, इनके भी कई कारण हैं , सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी और कम आय वाली है।

लड़कों को अक्सर ये कहते हुए सुना है कि " शादी तो कर लेंगे पर खिलाएँगे क्या "। पत्नी और बच्चों के खर्चे सम्भालेंगे कैसे ? लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के चलते कम आय वाले व्यक्ति का अपने परिवार का भरण पोषण , बीमारी और बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला पाना बेहद मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते आज अधिकांश युवा किसी की ज़िम्मेदारी उठाना ही नहीं चाहते हैं। हालाँकि कि ऐसा नहीं है कि सभी युवा जो शादी नहीं करना चाहते हैं वो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं । इसका एक अन्य कारण पत्नी और अन्य पारिवारिक सदस्यों के बीच तालमेल ना बिठा पाना भी है । शादी के बाद लड़का पत्नी और अपने अन्य परिवार रूपी मोतियों के बीच डोर का काम करता है ।किसी कारण वश यदि पत्नी और अन्य परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद होता है तो लड़का बीच में घुन की तरह पिसता है । कई बार इस स्थिति को सँभाल पाना लड़कों के लिए मुश्किल हो जाता है।

इसके अलावा ये भी सच है आज के माहौल मे पश्चिमी सभ्यता का काफ़ी असर बढ़ गया है । जिसके चलते आज के युवा डेटिंग रिलेशनशिप को पसंद कर रहे हैं । आज के समय में कुछ युवाओं का मानना है की अपनी भावनात्मक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए शादी करना ज़रूरी नहीं है। युवाओं को ऐसा लगता है कि शादी के बाद उनकी स्वतन्त्रता छीन जाएगी ।यह भी कारण है कि शादी के बिना वो खुश हैं और अपना जीवन अपने अंदाज़ से जीना चाहते हैं।एक तथ्य ये भी है आज के युवा लड़के लड़कियां अपने अधिकारों को लेकर काफ़ी मुखर हो गए हैं। लड़कियों में भी अब पुरानी महिलाओं की तरह सहनशीलता नहीं रह गई है ।पति परमेश्वर होता है वो अब इस सोच से मुक्त हो चुकी हैं ।आज वो पति के बराबर कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं ,उसकी तरह कमा रही हैं,तो उसके बराबर सम्मान की भी उम्मीद रखती हैं। जिसके चलते दोनों के अहम का टकराव हो जाता है, और रिश्तों में दरार पड़ने लग जाती है ,वहीं लड़के भी शादी के बाद अचानक से होने वाली रोक टोक,पूछताछ और ज़िम्मेदारी को झेल नहीं पाते हैं,इन्हीं सब कारणों से समाज में विवाह टूटने के मामले बढ़े हैं ,जो अविवाहित युवाओं के मन में विवाह को लेकर संदेह पैदा कर रहे हैं। ज़रूरी बात ये है कि सभी शादियां ख़राब नहीं होती हैं,एक ग़लत शादी यदि ज़िंदगी बरबाद करती है तो एक सही जीवनसाथी मिलने पर ज़िंदगी बेहतरीन भी बन जाती है।

आर्टिकल के अंतिम पैरा में कुछ महत्वपूर्ण कारण भी बताना चाहूंगी जैसे – अनावश्यक दिखावा, अत्यधिक अपेक्षाएँ, आर्थिक स्थिति को लेकर भेदभाव, समाज में आपसी संवाद की कमी तथा योग्य रिश्तों की जानकारी का अभाव। समाज के सभी बंधुओं से निवेदन है कि इस विषय को व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी समझें। हमें मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिनसे योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते सरलता से तय हो सकें। जैसे – समाज स्तर पर वैवाहिक परिचय सम्मेलन, युवक-युवती सूची तैयार करना, आपसी सहयोग और सरलता को बढ़ावा देना।

यदि समाज समय रहते इस विषय पर गंभीरता से काम करे तो कुँवारे युवकों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। यह केवल एक परिवार का नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यहा कुछ सामूहिक प्रयास के संभवित उपाय सूचित कर रही हूं, समाज संगठन को गंभीरता से इस पर विचार करना जरुरी है

01 विवाह में अनावश्यक दिखावा कम करें : शादी को प्रतिष्ठा और दिखावे का माध्यम बनाने से कई परिवार पीछे हट जाते हैं। सरल विवाह को बढ़ावा देना चाहिए।

02 अत्यधिक अपेक्षाएँ कम करें : लड़की या लड़के के लिए अत्यधिक आर्थिक, नौकरी या रूप-रंग की अपेक्षाएँ कई अच्छे रिश्तों को रोक देती हैं।

03 समाज स्तर पर युवक-युवती सूची बनाएं : समाज में अविवाहित युवक-युवतियों की सही जानकारी और सूची तैयार हो ताकि परिवारों को रिश्ते ढूंढने में आसानी हो।

04 परिचय सम्मेलन आयोजित करें : समाज द्वारा वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाएँ जिससे परिवार सीधे मिलकर बात कर सकें।

05 तलाक और अलगाव के मामलों को समझदारी से देखें : डिवोर्सी या विधवा-विधुर के रिश्तों को भी सम्मानपूर्वक स्वीकार किया जाए।

6 समाज के जिम्मेदार लोगों की समिति बने : कुछ अनुभवी लोगों की विवाह सहायता समिति बने जो रिश्ते जोड़ने में मदद करे।

07 लड़कियों के प्रति सकारात्मक सोच : लड़कियों की संख्या कम होने या उनके परिवार की स्थिति को लेकर भेदभावपूर्ण सोच खत्म करनी होगी।

08 युवाओं को मार्गदर्शन : युवकों को संस्कार, जिम्मेदारी और पारिवारिक जीवन के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए।

09 समाज में संवाद बढ़ाएँ : परिवारों के बीच संपर्क और संवाद बढ़ेगा तो रिश्ते जल्दी और सहज बनेंगे।

याद रखे, समाज में बढ़ते कुँवारे लड़कों की संख्या सचमुच एक सामाजिक चिंता का विषय बनती जा रही है। इसका समाधान केवल आलोचना से नहीं बल्कि सामूहिक सोच और ठोस कदमों से ही संभव है।

ब्राह्मण

सिर्फ कुल से नहीं, बल्कि मन की पवित्रता, दिल की करुणा और जीवन के श्रेष्ठ आचरण से बनता है : विजयभाई शर्मा

आपने अक्सर दूसरों को यह कहते हुए सुना या देखा होगा कि हम ब्राह्मण हैं। हम सबसे ऊंची जाति के हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ़ इसलिए कि हम ब्राह्मण जाति में पैदा हुए हैं, हम ब्राह्मण नहीं बन जाते। हमारा व्यवहार और रहन-सहन भी ब्राह्मण जैसा होना चाहिए। यहां किसी को ज्ञान देने का कोई मकसद नहीं है। बल्कि यह बताना है कि हम किस दुनिया में जी रहे हैं? और हम समाज को क्या दे रहे हैं? क्या हमारा आचरण ब्राह्मण जैसा है? क्या हमारी आदतें और काम ब्राह्मण जैसे हैं? क्या हम अपने परिवार के साथ ब्राह्मण सदस्य जैसा व्यवहार करते हैं? क्या हम लालच या वहसीपन के कारण दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाते? क्या हम दूसरों के अंदर की अच्छाई देख सकते हैं? क्या हम अपने अंदर के अहंकार, गुस्से और स्वार्थ को छोड़ देते हैं? क्या हम पैसे के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं? क्या हम व्यभिचारी हैं या बुराइयों से भरे हुए हैं? क्या हम आत्मनिरीक्षण करते हैं? इन सभी सवालों के जवाब खुद से पूछें और एक बार आत्मनिरीक्षण करें। अगर आपको जवाब दिलचस्प लगे, तो यकीन मानिए कि हम खुद को ब्राह्मण कहने से सच में सच्चे ब्राह्मण नहीं बन गए हैं। मैं इस मुद्दे पर लिख रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि कितने लोग इस मुद्दे को समझ पाएंगे?

असली ब्राह्मण वह व्यक्ति है जो ज्ञानवान, सत्यनिष्ठ, सरल, परोपकारी और वेदों व शास्त्रों के अनुसार आचरण करता है, न कि केवल जन्म से, बल्कि अपने कर्मों और बुद्धि से। वेदों के अनुसार, जो व्यक्ति परम ब्रह्म (परमात्मा) का ज्ञान रखता है, दूसरों को ज्ञान देता है, और समाज के कल्याण के लिए कार्य करता है, वही सच्चा ब्राह्मण है। जो व्यक्ति ज्ञान, त्याग, दान, यज्ञ, सत्य, और पवित्रता जैसे ६ कर्म करता है, वही ब्राह्मण है। यदि कोई ब्राह्मण परिवार में पैदा होकर भी गलत कर्म (अधर्म, नशा, हिंसा) करता है, तो वह सच्चा ब्राह्मण नहीं कहलाता। विश्वामित्र और वाल्मीकि जैसे ऋषियों ने अपने कर्मों और तपस्या से ही ब्राह्मण (महर्षि) का पद प्राप्त किया। संक्षेप में, ब्राह्मणत्व जन्म से नहीं, बल्कि कर्म, आचरण और ज्ञान से सिद्ध होता है। ब्राह्मण का आचरण सदैव आदर्श, शुद्ध और समाज के लिए मार्गदर्शक माना गया है।

हमारे समाज में हो रही घटनाओं और समाज के बदले माहौल से ऐसा लगता है कि हम ब्राह्मण तत्व को खो रहे हैं। धीरे-धीरे ब्राह्मणवाद खत्म हो रहा है। "मैं पैसो का हूँ और पैसा ही मेरा परमेश्वर है" इस कहावत पर चलते हुए हम इंसानियत को भूल गए हैं और मॉडर्न दुनिया के साइड इफ़ेक्ट में इतने खो गए हैं कि हमें असली ज़िंदगी और असली इंसानियत भी याद नहीं रहती। अनीति का पैसा चाहे कितना भी अधिक क्यों न हो, वह अंततः दुख और अशांति ही देता है। सच्ची समृद्धि वही है जो ईमानदारी और धर्म के मार्ग से प्राप्त हो। अनीति का पैसा वह धन है जो गलत तरीके, अन्याय, छल, भ्रष्टाचार या धोखे से कमाया जाता है। धर्म और शास्त्रों में ऐसे धन को अशुद्ध और हानिकारक माना गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप दुनियादारी छोड़कर मंत्र जाप करें। या कर्मकांडी ब्राह्मण बन जाएं। यहां बात ब्राह्मण के आचरण की है।

आजकल समाज में नफरत, कड़वाहट, हिंसा, घमंडी व्यवहार, बदला, गुस्सा, एक-दूसरे की टांग काटने की होड़, गंदी गालियों का सिलसिला, आलसीपन, नशा, व्यभिचार, गुंडागर्दी और लगातार असहयोग जैसी बुराइयां बहुत बढ़ रही हैं। एक बार सोचिए कि आप आने वाली पीढ़ी को क्या दे रहे हैं। क्योंकि हमारी बोली और व्यवहार आने वाली पीढ़ी को विरासत में मिलने वाला है। दुःख की बात यह है कि इस तरह की समस्या अनपढ़ लोगों की तुलना में पढ़े-लिखे लोगों में ज़्यादा देखी जाती है।

अगर आप अपने आप को ब्राह्मण कहते हो तो फिर ब्राह्मण का आचरण इस प्रकार होना चाहिए

- सत्यवादी – हमेशा सत्य बोलना और सत्य का पालन करना।
- धार्मिक और ईश्वरभक्त – प्रतिदिन पूजा, जप, पाठ और धर्म का पालन करना।
- विनम्र और सरल – अहंकार से दूर रहकर नम्रता से व्यवहार करना।
- शुद्ध आचार-विचार – खान-पान, वाणी और व्यवहार में पवित्रता रखना।
- ज्ञान की साधना – वेद, शास्त्र और धर्मग्रंथों का अध्ययन व अध्यापन करना।
- दया और करुणा – सभी प्राणियों के प्रति दयालु और सहृदय रहना।
- संयमित जीवन – क्रोध, लोभ, मोह और लालच से दूर रहना।
- समाज का मार्गदर्शक – समाज को धर्म और सदाचार का मार्ग दिखाना।

इस भाव को इस प्रकार भी समझ सकते है

"जन्मना जायते शूद्रः, संस्कारात् द्विज उच्यते।
वेदपाठात् भवेत् विप्रः, ब्रह्म जानाति ब्राह्मणः॥"

अर्थात —

जन्म से सभी मनुष्य समान होते हैं, संस्कार से द्विज (दूसरा जन्म) कहलाते हैं, वेदों का अध्ययन करने से विप्र बनते हैं, और जो ब्रह्म (परम सत्य) को जान ले, वही सच्चा ब्राह्मण होता है।

अब आपको यह भी जानना चाहिए कि आज के युग में ब्राह्मण क्यो पिछडा रह जाता है

- धर्म और अध्ययन से दूरी – पहले ब्राह्मण वेद-शास्त्र, पूजा-पाठ और अध्यापन में अधिक लगे रहते थे, लेकिन आज कई लोग इन परंपराओं से दूर हो गए हैं।
- आचार-विचार में कमी – सत्य, संयम, सादगी और अनुशासन जैसे गुणों का पालन पहले अधिक सख्ती से होता था।
- भौतिकवाद का प्रभाव – आज समाज में धन और दिखावे को अधिक महत्व मिलने से आध्यात्मिक जीवन कमजोर हुआ है।
- संस्कारों में कमी – नई पीढ़ी में धार्मिक शिक्षा और संस्कार पहले जितने मजबूत नहीं रहे।
- समाज में एकता की कमी – आपसी मतभेद और संगठन की कमी भी प्रतिष्ठा को प्रभावित करती है।
- शिक्षा और रोजगार की चुनौती – कई परिवारों में आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उच्च शिक्षा और अच्छे रोजगार तक पहुँचना कठिन हो जाता है।

संपादकीय लेख

विजयभाई शर्मा, चोरीवाड (साबरकांठा)
तंत्री - हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका

- सामाजिक प्रतिस्पर्धा और बदलाव – बदलते सामाजिक-आर्थिक माहौल में नई कौशल, शिक्षा और अवसरों के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।
- युवाओं का मार्गदर्शन – कई युवाओं को सही दिशा, करियर मार्गदर्शन और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है।

लेकिन यह भी सच है कि आज भी बहुत से ब्राह्मण ऐसे हैं जो ज्ञान, सेवा, धर्म और संस्कारों को जीवित रखे हुए हैं और समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

ब्राह्मण समाज में टूटते रिश्ते आज एक चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसके पीछे कई सामाजिक और पारिवारिक कारण माने जाते हैं।

मुख्य कारण:

- अहंकार और आपसी मनमुटाव – छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ जाने से रिश्तों में दूरी आ जाती है।
- स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा – आज के समय में लोग रिश्तों से अधिक अपने स्वार्थ और लाभ को महत्व देने लगे हैं।
- संवाद की कमी – परिवारों और रिश्तेदारों के बीच बातचीत कम होने से गलतफहमियाँ बढ़ जाती हैं।
- परंपराओं से दूरी – पहले परिवार और समाज को जोड़ने वाली परंपराएँ मजबूत थीं, जो अब धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं।
- भौतिकवादी सोच – धन, पद और प्रतिष्ठा को अधिक महत्व देने से भावनात्मक संबंध कमजोर पड़ जाते हैं।
- संस्कारों में कमी – नई पीढ़ी में पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों का ज्ञान कम होता जा रहा है।

समाधान की दिशा:

- परिवार और समाज में आपसी संवाद और सम्मान बढ़ाना
- अहंकार छोड़कर रिश्तों को महत्व देना
- बच्चों को संस्कार और परिवार की महत्ता सिखाना
- समाज में एकता और सहयोग की भावना मजबूत करना

रिश्ते खून से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और सम्मान से मजबूत होते हैं। यदि ब्राह्मण समाज में आपसी प्रेम और एकता बनी रहेगी, तो समाज और भी मजबूत और सम्मानित बनेगा। बच्चों और युवाओं को उच्च शिक्षा, आधुनिक ज्ञान और संस्कार देना बहुत जरूरी है। पढ़ा-लिखा समाज ही आगे बढ़ता है।

समाज के "राक्षस" शब्द का अर्थ अक्सर उन लोगों से लगाया जाता है जो समाज को नुकसान पहुँचाते हैं या गलत आचरण करते हैं। ऐसे लोगों को पहचानने के लिए उनके व्यवहार और कर्मों पर ध्यान देना चाहिए।

समाज के राक्षसों को पहचानने के कुछ संकेत

- झूठ और छल करने वाले – जो बार-बार झूठ बोलते हैं और लोगों को धोखा देते हैं।
- फूट डालने वाले – जो समाज में आपसी झगड़े और मतभेद बढ़ाते हैं।
- स्वार्थी लोग – जिन्हें केवल अपना फायदा दिखता है, समाज की भलाई नहीं।
- अनीति और भ्रष्टाचार करने वाले – जो गलत तरीके से धन कमाते हैं।
- दूसरों की बदनामी करने वाले – जो लोगों की इज्जत खराब करने में लगे रहते हैं।
- अहंकार और क्रोध से भरे लोग – जो अपने व्यवहार से दूसरों को दुख पहुँचाते हैं।

समाज में सच्चे और अच्छे लोगों की पहचान उनके अच्छे कर्मों से होती है, और बुरे लोगों की पहचान उनके स्वार्थ, झूठ और फूट डालने वाले व्यवहार से हो जाती है। ऐसे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है जो मीठी बातों से लोगों को बहकाते हैं, समाज में मतभेद फैलाते हैं और अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाते हैं। याद रखें, समाज को बाहर के दुश्मन से उतना खतरा नहीं होता जितना अंदर के स्वार्थी और कपटी लोगों से होता है। इसलिए हर समाजबंधु को जागरूक रहना चाहिए, सत्य और न्याय का साथ देना चाहिए और उन लोगों से दूर रहना चाहिए जो समाज की एकता और सम्मान को नुकसान पहुँचाते हैं। एकजुट और जागरूक समाज ही अपने सम्मान और भविष्य की रक्षा कर सकता है।

समाज में घूंघट प्रथा
एक सामाजिक अभिशाप

घूंघट प्रथा एक ऐसी परंपरा है जो सदियों से भारतीय समाज में प्रचलित है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। यह एक ऐसी प्रथा है जिसमें महिलाएं अपने चेहरे को ढककर रखती हैं, खासकर अपने ससुराल में या सार्वजनिक स्थानों पर। लेकिन क्या यह प्रथा वास्तव में महिलाओं के लिए फायदेमंद है? आइए इस विषय पर चर्चा करें।

घूंघट प्रथा के नुकसान

01 स्वतंत्रता की कमी : घूंघट प्रथा महिलाओं को अपनी स्वतंत्रता से वंचित करती है। वे अपने चेहरे को ढककर रखने के कारण अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाती हैं।

02 शिक्षा और रोजगार में बाधा : घूंघट प्रथा महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित करती है। वे अपने चेहरे को ढककर रखने के कारण अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाती हैं।

03 मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव : घूंघट प्रथा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। वे अपने आप को असुरक्षित और आत्मविश्वासहीन महसूस करती हैं।

04 सामाजिक अलगाव : घूंघट प्रथा महिलाओं को सामाजिक अलगाव की ओर ले जाती है। वे अपने परिवार और समाज से अलग हो जाती हैं और अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाती हैं।

समाज चिंतन

राजेन्द्र शर्मा, दिल्ली

घूंघट प्रथा को बदलने के तरीके

01 शिक्षा और जागरूकता : शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से लोगों को घूंघट प्रथा के नुकसानों के बारे में बताना चाहिए।

02 महिलाओं का समर्थन : महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए समर्थन देना चाहिए।

03 सामाजिक परिवर्तन : सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से घूंघट प्रथा को बदलने के लिए काम करना चाहिए।

निष्कर्ष

घूंघट प्रथा एक सामाजिक अभिशाप है जो महिलाओं को स्वतंत्रता, शिक्षा, रोजगार और मानसिक स्वास्थ्य से वंचित करती है। हमें इस प्रथा को बदलने के लिए काम करना चाहिए और महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए समर्थन देना चाहिए।

आदरणीय पंकज जी मेरा तो एक निवेदन है आप समाज के लिए अच्छा कार्य कर रहे हो लेकिन गुजरात में अभी भी कुछ लोग सुधर नहीं रहे हैं घूंघट प्रथा और दहेज प्रथा अपनी चरम सीमा पर है आप अपनी लेखनी से आपकी जो पत्रिका निकलती है उसमें लेख छाप दीजिए मेरा एक निवेदन है

राधे-राधे महिला भजन मंडली
भक्ति और संस्कारों की सुंदर पहल

वनिता शर्मा, सदस्य , पत्रिका टीम : हमारे समाज में भक्ति, संस्कार और आध्यात्मिकता को जीवंत बनाए रखने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए "राधे-राधे महिला भजन मंडली" एक प्रेरणादायक पहल के रूप में सामने आई है। यह मंडली केवल भजन गाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में धार्मिक चेतना, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का भी कार्य कर रही है। मंडली की महिलाएं नियमित रूप से भजन-कीर्तन, सत्संग और धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर भगवान की भक्ति में लीन रहती हैं। भजन मंडली के माध्यम से महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने, भक्ति मार्ग पर चलने और समाज को आध्यात्मिक संदेश देने का अवसर मिलता है। जब मंडली द्वारा "राधे-राधे", "श्री कृष्ण" और देवी-देवताओं के भजन गूंजते हैं, तब पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है।

हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम से बातचीत में मंडली की महिला सदस्यने बताया कि उनके महिला गृप में कुल 18 से ज्यादा महिला सदस्य है, जो हर समय भजन मंडली में उनके साथ रहते है। इस महिला भजन समूह में भगवतीबेन एम. शर्मा, कांताबेन शर्मा, शारदाबेन शर्मा, फुलवतीबेन शर्मा, सीमाबेन शर्मा, सुनीताबेन शर्मा, मंजूबेन शर्मा, भगवतीबेन सी. शर्मा, मुकेशबेन शर्मा, कपिलाबेन शर्मा, प्रीतिबेन शर्मा, कमलाबेन शर्मा, जयाबेन शर्मा, नीतूबेन शर्मा, सरोजबेन शर्मा, सुनीताबेन एस. शर्मा, सुनीताबेन एम. शर्मा, कमलाबेन के. शर्मा शामिल हैं। उन्होने बताया कि हमारी इस भजन मंडली को आमंत्रित करने या उनसे संपर्क करने के लिए मंजूबेन सीताराम शर्मा (9428231365) और फूलवतीबेन शंकरलाल शर्मा (9428962661) से संपर्क कर सकते है। भजन आयोजित करने के लिए वे कोई शुल्क नहीं लेते हैं। यह पूरी व्यवस्था निःशुल्क है। लेकिन आयोजक को भजन मंडली के आने-जाने का परिवहन खर्च स्वयं उठाना रहता है। आप भजन आयोजित करने के लिए साल में कभी भी उनसे संपर्क कर सकते हैं। पिछले सात वर्ष से इस भजन कार्यक्रम में, महिलाएं विशेष वेशभूषा में सजकर गीतों, ढोलक वादन, कीर्तन और राधा-कृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देती हैं।

आज "राधे-राधे महिला भजन मंडली" समाज के लिए प्रेरणा बनती जा रही है। ऐसी मंडलियां न केवल धार्मिक परंपराओं को जीवित रखती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक वातावरण भी बनाती हैं। अंत में यही प्रार्थना है कि भगवान श्री राधा-कृष्ण की कृपा से यह मंडली निरंतर प्रगति करे और समाज में भक्ति की गंगा बहाती रहे।

सकारात्मक पहल: पंचोली परिवार का नजीर बनने वाला निर्णय

प्रो.डॉ.दौलतकुमार शर्मा, सहयोगी, पत्रिका टीम : हरदा जिले के बीड़ ग्राम में स्थित पंचोली परिवार ने एक सराहनीय और समाज के लिए अनुकरणीय निर्णय लिया है। इस परिवार ने मृत्यु भोज नहीं करने का फैसला किया है, जो कि हमारे समाज में मृत्यु भोज एक आम परंपरा है। यह निर्णय न केवल समाज के लिए एक नई दिशा दिखाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि परिवार ने मृतक आत्मा की शांति और उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए एक अलग और अर्थपूर्ण तरीका चुना है।

गौरतलब है कि श्रीनारायण पंचोली के बड़े भाई और दिनेश पंचोली (पंचायत सचिव) व सेवादास पंचोली के पूज्य पिताजी, महेश पंचोली, जयप्रकाश पंचोली व तपन पंचोली के बड़े पिताजी श्री हरनारायण जी पंचोली का रविवार 16 नवम्बर 25 को देवलोक गमन हो गया था। आज उनके निवास पर आयोजित उठावना/चिट्ठी कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों ने सामाजिक बंधुओं को अवगत कराया कि वे मृत्यु भोज नहीं करना चाहते हैं। इसके बजाय, उन्होंने मृतक आत्मा की शांति के लिए और उनकी स्मृति बनाए रखने हेतु 11000/- रुपए की राशि श्री राम जानकी मंदिर श्री हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज, हरदा समिति को प्रदान की है।

पंचोली परिवार का यह निर्णय न केवल समाज के लिए एक प्रेरणा है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि हम कैसे अपने समाज को एक बेहतर और अधिक संवेदनशील बनाने में योगदान कर सकते है।

इंटवाड में बेटी के जन्मदिन को यादगार और अनूठा बनाया

जन्मदिन को यादगार और अनूठा बनाने के लिए पारंपरिक केक काटने के बजाय सामाजिक कार्यों, जैसे गरीब बच्चों को भोजन कराना, पौधे लगाना, या वृद्धाश्रम/अनाथालय में समय बिताकर खुशी बांटी जा सकती है। 11 फरवरी 2026 को वडोदरा के डेसर तालुका के इंटवाड़ गांव में रामनिवासजी लालजीरामजी शर्मा के बेटे यश प्रीतेशभाई शर्माने अपनी की बेटी हनी के जन्मदिन एक प्राइमरी स्कूल में गिफ्ट हैंपर और चॉकलेट का वितरण कर के मनाया।

जज्बे को सलाम

इन्दौर मैराथन में 55 साल के मनोज शर्मा (नाहडिया) ने लगाई 21 किलोमीटर की दौड़

राकेश शर्मा, पत्रिका सहयोगी, इंदौर : एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स (AIM) के तत्वावधान में सेंट्रल इंडिया की सबसे बड़ी 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इंदौर मैराथन' का भव्य आयोजन रविवार को किया गया। सुबह 6 बजे नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। इस आयोजन में 20 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। इस मैराथन में इंदौर निवासी समाजबंधु मनोज राधेश्याम नाहड़िया (उम्र 55) ने 21 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया। उन्होने 21 किलोमीटर की दौड 2 घंटे 29 मिनिट 16 सेकन्ड में संपन्न की। इस अवसर पर मनोज नाहडिया ने समाज को संदेश दिया कि समाजजनों को भी इस प्रकार के आयोजनों में भागीदार बन कर शहर में अपनी छाप छोड़नी चाहिए। 21 किमी मैराथन पूरी करने पर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह का मंत्री विजयवर्गीय ने स्वागत किया। मैराथन का आयोजन 'दिल से दौड़ें, दिल के लिए' थीम पर किया गया, जिसमें 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की चार श्रेणियां शामिल रहीं। रूट प्लानिंग इस तरह की गई थी कि धावकों के साथ-साथ आम जनता को भी किसी तरह की असुविधा न हो। 21 किमी की दौड़ सुबह 4:45 बजे, 10 किमी की दौड़ सुबह 5:30 बजे नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई। 5 किमी की दौड़ राजबाड़ा से और 3 किमी की दौड़ सुबह 7 बजे यशवंत क्लब से प्रारंभ हुई।

वडोदरा के काव्य शर्मा को Class 1 ओफिसर में चयनित होने पर बधाई

काव्य संजयकुमार शर्मा (निवासी-वडोदरा) का क्लास 1 ओफिसर(सरकारी पद) में चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। काव्य शर्मा NTPC में क्लास 1 ओफिसर की रेन्क में चयनित हुए है..और उनकी ट्रेनिंग चल रही है। काव्य शर्मा के दादाजी सुरेशचंद्र शर्मा है..और काव्य की माता का नाम रेखा शर्मा है.. और आप सबको याद होगा कि कौन बनेगा करोडपति में समाज का गौरव बढानेवाली समाज की बेटी धरा शर्मा(ONGC-जुनियर सायन्टिस्ट) उनकी बहन है। समस्त परिवारजनो को हार्दिक बधाई।

सिद्धपुर में हर्षोल्लास के साथ धूलंडी पर्व मनाया गया

रंग,गुलाल और अबीर से एक- दूसरे को सराबोर करने की होड़ और होली के गीतों की मस्ती के साथ रंगों का त्योहार होली को 4 मार्च 2026 बुधवार के दिन पूरे पाटण जिला सहित सिद्धपुर में भरतभाई शर्मा एवं सिद्धपुर के समाजबंधुओ एवं सोसायटी के परिवारजनोने हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्या अमीर, क्या गरीब सभी एक ही रंग में नजर रहे थे। हर तरफ होली की धूम थी। बच्चे, बूढ़े,जवान सभी होली की मस्ती में थे। सुबह 10 बजे के बाद हर कोई होलियाना मुड़ में नजर रहा था। होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे की धून पर लोगों का जो थिरकना शुरू हुआ वह दोपहर तक जारी रहा। सड़क पर मतवालों की टोली चल रही थी जिनका काम हर आने जाने वालों को रंगों से सराबोर करना था।

सिद्धपुर के धार्मिक शर्मा ने शुरु किया नया स्टार्टअप

हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से सिद्धपुर निवासी और समाज के नवयुवा "धार्मिक भरतकुमार शर्मा" को सिद्धपुर में नए स्टार्टअप के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। सिद्धपुर जीआईडीसी रोड के पास THE NEST नाम से 9 रुम वाला आलिशाल होटेल है..जहां ठहरने की अच्छी सुविधा मिलेगी। समाजबंधुओ भी अगर सिद्धपुर में होटेल में रुकना चाहे तो धार्मिक शर्मा का संपर्क कर सकते है।

क्रिश दीपककुमार पंडित को मिला सन्मान

गोविंदा फाउंडेशन, पालनपुर द्वारा 'आर्टिस्ट ऑफ़ द ईयर' का अखिल भारतीय कलाकार सम्मान पुरस्कार तथा हस्तलेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में क्रिश दीपककुमार पंडित को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से क्रिश पंडित को हार्दिक बधाई। हस्तलेखन की सुंदरता और चित्रकला की अद्भुत कल्पना के साथ आपने प्रतियोगिता में जो शानदार प्रदर्शन किया है, वह वास्तव में काबिले-तारीफ है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

उझानी(बदायूँ) में उत्तरप्रदेश समाजबंधुओ का होली स्नेहमिलन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

गयाप्रसाद बलेसरा,सदस्य, पत्रिका टीम, दिल्ली : हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज बदायूं उत्तर प्रदेश के अग्रणी समाज बंधु श्री अयोध्या प्रसाद जी उपाध्यक्ष व पूर्व महासचिव श्री दिनेश चंद्र जी द्वारा उत्तर प्रदेश महासभा वैनर तले होली मंगल मिलन का आयोजन व समापन 14 मार्च 2026 को हुआ जिसकी अध्यक्षता वयोवृद्ध समाज सेवी श्री घनश्याम जी हरियाणा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। देवनागरी इंटर कॉलेज, उझानी में आयोजित इस समारोह में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के पूजन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम, भाईचारे एवं एकता का संदेश दिया। इस होली मंगल मिलन पर एक विशेष ध्यान देने योग्य बात यह हुई कि महासभा द्वारा मनोनीत उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्री ललित जी गोगोरिया दर्शक की भूमिका में नजर आए। होली मंगल मिलन समारोह प्रेम और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। देवेन्द्र जी सरसीनियां, कन्हैया लाल जी बरेली, राजेंद्र प्रसाद जी बरेली पूर्व कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेश हेमंत जी बरेली ललित जी गोरिया अध्यक्ष उत्तर प्रदेश महासभा शिव कुमार जी सामोत्या दिल्ली प्रदेश संगठन महासचिव समेत कइ समाजबंधुओने शिरकत की।

बैठक में इन मुद्दो पर हुआ मंथन

• **समाज की एकजुटता :** आपसी प्रेम और सामंजस्य पर विचार। • **प्रतिभा सम्मान :** समाज के होनहार बच्चों/व्यक्तियों को सम्मानित करने की योजना। • **युवा रोजगार :** युवाओं के करियर और रोजगार पर मंथन। • **बालिका शिक्षा :** बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देना। • **बैठक व्यवस्था :** हर 3 माह में न्यूनतम खर्च वाली प्रभावी बैठकें। • **सामाजिक सुधार :** दहेज प्रथा, मृत्यु भोज व अन्य कुरीतियों के उन्मूलन पर संकल्प।

हरियाणा गौड ब्राह्मण - सिद्धपुर की महिलाओने मिलकर मनाया गणगौर पर्व

श्वेता शर्मा, सहयोगी, पत्रिका टीम , सिद्धपुर : हरियाणा के सिद्धपुर की महिलाओं ने गणगौर का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया। सभी महिलाओं ने एक साथ गणगौर की पूजा की और गणगौर के गीतों पर एक साथ डांस किया। गणगौर पर्व हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जिसे विशेष रूप से महिलाओं द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है और वैवाहिक सुख एवं समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर पूरे विधि-विधान से माता गणगौर की पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने लोकगीत गाए और नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे माहौल भक्तिमय और आनंदमय बन गया। गणगौर पर्व का विशेष महत्व यह है कि यह दांपत्य जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाने का प्रतीक माना जाता है। अविवाहित लड़कियां भी इस दिन अच्छे वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं। इस प्रकार गणगौर पर्व को महिलाओं ने पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया, जिससे हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

विनय दत्त शर्मा को मिला सर्वोच्च सम्मान

अलवर शहर के युवा समाज सदस्य विनय दत्त शर्मा को वित्तीय वर्ष 2025-26 में अलवर जिले में मार्केटिंग के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां हासिल करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अधिकारी-उत्कृष्ट सम्मान' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान NIET कॉलेज-अलवर द्वारा प्रदान किया गया है। इस अवसर पर, संस्थान के सभी कर्मचारियों ने उन्हें माला पहनाकर उनका स्वागत किया और अपनी शुभकामनाएं दीं। अलवर निवासी विनय दत्त शर्मा (बलेसरा) ने अपनी पढ़ाई में MBA किया है। वह NIET में टीम लीडर-सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। पिछले तीन वर्षों से इस संस्थान में कार्यरत विनय ने पिछले वर्ष संस्थान के लिए सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया। उनके पिता का नाम यज्ञदत्त शर्मा और माता का नाम उमा शर्मा है। वे अलवर में निवास करते हैं। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - पत्रिका टीम विनय को शुभकामनाएँ देती है और उनसे अपील करती है कि वे भविष्य में समाज के लिए उपयोगी बनें।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.उमाशंकरजी सीतारामजी शर्मा (निवासी-गोपालपुरा,मथुरा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 26 फरवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.गोपालदासजी भोलानाथजी पंडित (निवास - पीज,नडियाद) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 23 जनवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.गोमतीबेन लक्ष्मणप्रसाद शर्मा (निवासी - वापी) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 22 फरवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व. मखनलाल रघुनाथ पंडित(निवासी-महेमदावाद,जि.खेडा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 19 जनवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.संध्यादेवी मूलचंदभाई शर्मा (निवासी-शाहपुर,अहमदाबाद) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 11 फरवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.लीलावती लक्ष्मीकांत शर्मा (निवास - वडोदरा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 7 फरवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.काश्मीराबेन सुनीलभाई पंडित (निवास - मंजीपुरा,नडियाद) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 7 फरवरी 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.राजवतीबेन ओमप्रकाश शर्मा (निवासी मोहर,वडाली.जिला साबरकांठा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति
(स्वर्गवास तारीख - 04 मार्च 2026)
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

करियर बनाने का बेहतर विकल्प हो सकता है कनाडा या नही?

कनाडा में पांच साल से रहनेवाले जीत शर्मा ने की गुजरात पत्रिका टीम से खास बातचीत

01 सबसे पहले आप ये बताए कि आप कितने समय से कनाडा में कहां रहते हो, क्या काम करते हो?

मुझे कनाडा में रहते हुए लगभग 5 वर्ष हो चुके हैं। वर्तमान में मैं ब्रैम्पटन, ओंटारियो में रहता हूँ। यहाँ मैं OSL Retail Services के साथ एक Wireless Sales Associate के रूप में कार्यरत हूँ, जहाँ मेरा मुख्य कार्य ग्राहकों को बेहतरीन मोबाइल कनेक्टिविटी और वायरलेस समाधान प्रदान करना है।

02 कनाडा में बसना या पीआर मिलना पहले के मुकाबले कितना सरल या कठिन है, क्या युवाओ के लिए कनाडा पढने या जोब के लिए सबसे बहेतर विकल्प हो सकता है?

पहले के मुकाबले अब कनाडा में PR (स्थायी निवास) मिलना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हुआ है क्योंकि 'इमिग्रेशन पॉइंट सिस्टम' और 'मार्केट डिमांड' में लगातार बदलाव हो रहे हैं। फिर भी, जो युवा स्किल्ड ट्रेड, हेल्थकेयर या टेक्नोलॉजी (जैसे नेटवर्किंग और इंजीनियरिंग) में मजबूत पकड़ रखते हैं, उनके लिए कनाडा आज भी एक बेहतरीन विकल्प है। सही दिशा में पढ़ाई और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है।

03 आप कनाडा की OSL Retail Services में काम करते है..उसके बारे में थोडा बताएं

OSL कनाडा की एक प्रमुख रिटेल मार्केटिंग एजेंसी है जो बड़े रिटेलर्स (जैसे वॉलमार्ट) के साथ मिलकर काम करती है। हमारी कंपनी ग्राहकों को टॉप टियर टेलिकॉम ब्रांड्स के वायरलेस प्लान, हार्डवेयर और मोबाइल एक्सेसरीज उपलब्ध कराने का काम करती है। हम केवल उत्पाद नहीं बेचते, बल्कि ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार सही तकनीक से जोड़ने का काम करते हैं।

04 कंपनी की तरफ से आपको श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सन्मानित किया गया.. अपने अचिवमेन्ट्स के बारे में थोडा बताएँ..कैसे सफलता मिलती है विदेश में?

मुझे यह बताते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि ओएसएल (OSL) में मेरे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुझे 'Presidents Club Winner 2025' के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। इसके साथ ही, मैंने अपने हालिया तिमाही लक्ष्यों (QTD) को सफलतापूर्वक पार करते हुए 925 के लक्ष्य के मुकाबले 928 यूनिट्स की उपलब्धि हासिल की है। विदेश में सफलता का सूत्र: विदेश में सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि स्मार्ट वर्क और निरंतरता (Consistency) से मिलती है। ग्राहकों की जरूरतों को समझना, कंपनी के लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहना और अपनी स्किल्स को लगातार अपडेट करना (जैसे वर्तमान में मैं नेटवर्क+ सर्टिफिकेशन पर ध्यान दे रहा हूँ) ही मुझे इस मुकाम तक ले आया है।

05 कनाडा में सबसे ज्यादा नोकरी किस क्षेत्र में उपलब्ध है..?

वर्तमान में कनाडा में हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन (स्किल्ड ट्रेड्स), आईटी और वायरलेस नेटवर्किंग के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा नौकरियां उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, नेटवर्क इंजीनियर्स और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

06 अपने परिवार के बारे में बताए माता-पिता क्या करते है..उनका क्या बिजनेस है.. आप किस गोत्र से हो?

मेरा परिवार भारत में स्थित है और मेरे माता-पिता का अपना व्यवसाय है, जिनसे मैंने कड़ी मेहनत और समर्पण के गुण सीखे हैं। हम शर्मा (ब्राह्मण) परिवार से हैं। मेरी इस सफलता और विदेश यात्रा में मेरे परिवार का अटूट सहयोग रहा है। विशेष रूप से, मेरी बहन मौनी , जो वर्तमान में दुबई में एक अकाउंटेंट फर्म में कार्यरत हैं, मेरे लिए एक बड़ी प्रेरणा रही हैं। इसके साथ ही, मेरे जीजू सौमिक का मेरी इस पूरी यात्रा में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग ने मुझे हर कदम पर मजबूती दी और विदेश में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। परिवार के इसी विश्वास और साथ की बदौलत आज मैं यहाँ तक पहुँच पाया हूँ।

07 आप के मुताबिक कनाडा , युके और अमेरिका - इन तीन देश में से कौन सा बेहतर विकल्प बन सकता है?

यह आपकी प्राथमिकता पर निर्भर करता है:

कनाडा: बेहतर सामाजिक सुरक्षा और पीआर की संभावनाओं के लिए अच्छा है।

अमेरिका: अगर आप हाई-टेक सैलरी और बड़े कॉर्पोरेट एक्सपोजर की तलाश में हैं।

यूके: शिक्षा और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन वहां बसना थोड़ा कठिन हो सकता है।

मेरे अनुभव में, एक संतुलित जीवन और करियर की शुरुआत के लिए कनाडा एक सुरक्षित और स्थिर विकल्प है।

08 आपका आगे का क्या प्लान है?..समाज के युवा कनाडा आना चाहे तो उन्हे आप कैसे मददरुप हो सकते है.?

मेरा अगला लक्ष्य वायरलेस नेटवर्किंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करना (CCNA/ Network+) और इंजीनियरिंग की बारीकियों में गहराई तक जाना है। समाज के जो युवा कनाडा आना चाहते हैं, मैं उन्हें सही कोर्स चुनने, यहाँ के जॉब मार्केट को समझने और नेटवर्किंग (LinkedIn आदि) के माध्यम से करियर बनाने में मार्गदर्शन देकर मदद कर सकता हूँ।

हिम्मतनगर में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

हिंमतनगर में समाजबंधुओं ने रामनवमी का पावन पर्व बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया। सुनीलभाई राधेश्यामजी शर्मा के निवासस्थान पर आयोजित कार्यक्रम में हिंमतनगर के कई समाजबंधुओने हिस्सा लिया.. कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से हुई थी.. इसके पश्चात भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां का आयोजन किया गया, जिसमें राम दरबार की सुंदर झांकियां आकर्षण का केंद्र बनीं।

सिद्धपुर : रामनवमी पर महिलाओने की रामधून

सिद्धपुर में श्री रामनवमी के अवसर पर समाज की महिलाओने रामधून एवं भजनकीर्तन किए। सिद्धपुर समुदाय और स्थानीय महिलाएँ एक साथ मिलकर भगवान श्री राम के भजन गाने के लिए एकत्रित हुई, और उन्होंने बड़े ही अद्भुत ढंग से ढोलक व मंजीरा बजाया। मंदिर परिसर 'जय श्री राम' की गूँज से भर उठा।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.श्रीमती रुक्मणी देवीजी (धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मी नारायण जी कुडाया-माधोपुरा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति

(स्वर्गवास तारीख - 17 मार्च 2026)

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

दिल्ली-NCR समाज में बडे धामधूम से मनाया गया रंगो का पर्व होली

ओमप्रकाशजी शर्मा एवं गयाप्रसाद बलेसरा, सहयोगी , पत्रिका टीम : दिल्ली-NCR में रहने वाले हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समुदाय ने एक साथ होली मनाने का फैसला किया था। जिसके अनुसार 8 मार्च 2026, रविवार के दिन दिल्ली समाज द्वारा होली मंगल मिलन समारोह श्री राजेश जी जगतपुरी वालो की अध्यक्षता तथा श्री ओम प्रकाश शर्मा दूत के मंच संचालन में आयोजित किया गया। इस आयोजन का स्थान दिल्ली के केंद्र में शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के पास सराय रोहिल्ला स्थित एक वातानुकूलित भवन में किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग हर क्षेत्र से यानि गाजियाबाद, गुरुग्राम ,सोहना , बल्लभगढ़,नोएडा के साथ दिल्ली के सुदूर क्षेत्र में रहने वाले समाज बंधु भी सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में हमारे वरिष्ठ समाजसेवी से लेकर बच्चे और बड़ी संख्या में महिला शक्ति ने शामिल होकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

कार्यक्रम में आयोजन समिति द्वारा पटका पहना कर तथा चंदन लगाकर स्वागत किया गया उसके बाद सभी को आदर भाव से जलपान कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ समाजबंधुओं द्वारा द्वीप प्रज्वलन करने के बाद इस्कॉन टीम द्वारा संगीतमय महामंत्र जाप से वातावरण सकारात्मक बना दिया। तदोपरांत दिल्ली समाज व संगठन की अब तक की यात्रा के बारे में संक्षेप में परिचय दिया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सभी का परिवार सहित परिचय कराया गया। इसी दौरान मंच से सभी ने भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में सहयोग देने के वादे के साथ साथ इस आयोजन को सराहा।

आयोजन समिति के सदस्यों में श्री राजेंद्र जी,श्री गया प्रसाद जी, श्री ललित जी श्री प्रभु लाल जी,श्री हरीश जी खोड़ा का अध्यक्ष श्री राजेश जी जगतपुरी द्वारा माला पहना कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश जी व कोविड के समय समाज सेवा में अग्रणी रहे श्री सी एल शर्मा जी, श्री शशिकांत जी ओर सुभाष जी बंटी श्री नवीन जी को महासचिव श्री शिव कुमार जी ,सचिव श्री शंभू जी द्वारा माला पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन संगीत नृत्य फूलों की होली और स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ।

इसे सफल बनाने लिए पिछले कई दिनों से तैयारी और चर्चा की गई। आशानुरूप आयोजन भव्य और व्यवस्थित रहा। यहां लगभग 180 से 200 समाजप्रेमियों का आना हुआ जो कि दिल्ली में अभी तक हुए आयोजनों में सबसे ज्यादा संख्या रही। संगठन की ओर से आयोजन समिति व आर्थिक सहयोगी व कार्यक्रम में सकारात्मक रूप से मनोबल बढ़ाने वाले व उपस्थित समाज बंधुओं का धन्यवाद दिया गया।